ORIENTAL INSTITUTE

The Maharaja Sayajirao University of Baroda

Opp. Palace Gate, Palace Road, Vadodara – 390 001, Gujarat, India

Ph.: (0265) 2425121, Mo.: +91-9898472669, Email: director-oriental@msubaroda.ac.in

शोधपत्र हेतु

प्रति, दिनाङ्क 20/08/2024

सुविज्ञ महोदय/महोदया,

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय अन्तर्गत वडोदरा नगर में स्थित **"प्राच्यविद्यामन्दिर"** (Oriental Institute) विश्वख्यातिलब्ध संस्था है । इस संस्था में ३० हजार से अधिक पाण्डुलिपियों का बृहद् संग्रह संरक्षित है । संस्था में अप्रकाशित पाण्डुलिपियों का सम्पादन एवं समीक्षितावृत्ति का कार्य सातत्यरूप से चलता आ रहा है, जिसमें वाल्मीकिकृत रामायण, अभिनवभारती टीका सहित भरतकृत नाट्यशास्त्र जैसे अनेक ग्रन्थों का प्रकाशन हो चुका है ।

संशोधन को प्रोत्साहन देने हेतु इस संस्था द्वारा **"स्वाध्याय" वार्षिक शोधपत्रिका ("स्वाध्याय" ISSN 2250-0391, Referred and Blind 'Peer-reviewed' Annual Multilingual Reasearch Journal)** का प्रकाशन सन् १९६३ से गुजराती भाषा में प्रारम्भ हुआ जो अद्यावधि अनवरतरूप से होता आ रहा है । इसमें देश के सुविज्ञों, विद्वानों के शोधपत्र प्रकाशित होते आ रहे हैं । अब तक इसके ६१ अंक प्रकाशित हो चुके हैं । यह शोधपत्रिका अब **गुजराती, हिन्दी और संस्कृत** तीन भाषाओं में प्रकाशित होती है ।

संस्कृत–साहित्य, संस्कृत–व्याकरण, वैदिक–साहित्य, षड्दर्शन, पाण्डुलिपि–विषयक अनुसंधान, पुरातत्त्वशास्त्र, इतिहास, शिल्पशास्त्र, गुजराती भाषा और साहित्य संबन्धी विषयों पर शोधपत्रों का प्रकाशन **"स्वाध्याय"** में होता है । हम प्रकाशन के लिए प्रामाणिक, विद्वत्तापूर्ण, गुणवत्तायुक्त और अप्रकाशित शोधपत्रों को आमंत्रित करते हैं ।

१. प्रकाशन के लिए आमंत्रित शोधपत्रों का मूल्यांकन पत्रिका द्वारा गठित विशेषज्ञों के पैनल द्वारा किया जाता है, उनकी समीक्षोपरान्त प्रकाशनार्ह लेखों को ही प्रकाशित किया जाता है । समीक्षकों का निर्णय अन्तिम होगा ।
२. प्रकाशन हेतु आये हुए शोधलेख अन्य स्थान से प्रकाशित न हो और ना ही अन्यत्र प्रकाशन के लिये विचाराधीन हो ।

इस **संस्कृत/हिन्दी/गुजराती/** त्रिभाषी शोधपत्रिका के ६२वें अंक के प्रकाशन हेतु आप सभी विद्वद्जनों के शोधपत्रों को हम आमन्त्रित करते हैं ।

आवश्यक सूचना – इस पत्रिका में शोधपत्रों का प्रकाशन पूर्णतः निःशुल्क होता है ।

शोधपत्र भेजने की अन्तिम तिथि – ३० नवम्बर २०२४

लेखकों के लिये आवश्यक सूचना –

- शोधपत्र में प्रयुक्त सन्दर्भ ग्रन्थों का पूर्ण विवरण दें, यथा – जिस ग्रन्थ का उपयोग किया है उस ग्रन्थकार का नाम, ग्रन्थ शीर्षक, अध्याय अथवा सर्ग, श्लोक, सम्पादक का नाम, प्रकाशक, स्थान, आवृत्ति, प्रकाशन वर्ष, पृष्ठ नं. । उदाहरणार्थ – धनञ्जयकृत दशरूपक, ३.१, सम्पा. भोलाशंकर व्यास, प्रका. चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, प्रथम आवृत्ति, १९७३. पृ. ४५.
- पाद–टिप्पणी में ग्रन्थ का नाम पुनः आता है तो पूर्ण विवरण न देकर **"वही"** एवं श्लोक संख्या को लिखें ।
- शोधपत्र यूनिकोड **हिन्दी एवं संस्कृत में मङ्गल, एवं गुजराती में श्रुति,** १४ फोण्ट साइज में टाइप एवं संशोधन कर प्रेषित करें ।
- अनावश्यक व्यक्तिगत प्रशंसा, अधिक श्लोकों का उद्धरण, ऐसी सामग्री जो शोध से सम्बन्धित न हो, कृपया अपने शोधपत्र में सम्मिलित न करें ।
- **Software** द्वारा शोधलेखों की मौलिकता का परीक्षण किया जायेगा ।
- शोधपत्र इस ईमेल पर भेजें– journaloftheorientalinstitute@msubaroda.ac.in ।
- लेखक अपना नाम, पता, फोन नं., इमेल एड्रेस का उल्लेख अवश्य करें ।

सदस्यता –

अधिकाधिक ज्ञानार्थियों को इस प्रकाशन का लाभ मिले, एतदर्थ आपके विद्यालय के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन हेतु आप उन्हें सदस्यता हेतु प्रेरित करें व स्वयं **"स्वाध्याय"** के सदस्य बन सकते हैं । सदस्यता शुल्क – वार्षिक ३००/– तीन वर्ष का ९००/– । इस शोधपत्रिका की सदस्यता शुल्क "Director, Oriental Institute, The M. S. University of Baroda. के नाम चेक द्वारा स्वीकार किया जायेगा । डायरेक्ट मनी ट्रांसफर – खाता नाम "Director, Oriental Institute, The M. S. University of Baroda. खाता नं. **05780200000213**, IFSC Code : **BARB0DANDIA** (Fifth letter is zero) Bank of Baroda, Dandia Bazar Branch, Vadodara. कर सकते हैं ।

अधिक जानकारी हेतु **डॉ. जयंत उमरेठिया** जी को (9427849843) सम्पर्क करें ।

पता – निदेशक, प्राच्यविद्यामन्दिर, राजमहल दरवाजा के पास, राजमहल रोड, वडोदरा–३९०००१ (गुजरात)

धन्यवाद ।

निदेशिका
प्राच्यविद्या मन्दिर,
वडोदरा (गुजरात)